Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to provide alternative employment under MGNREGA to people by collecting forest wood.

श्री गणेश सिंह (सतना) : अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद । मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान 30 प्रतिशत वनों की ओर आकृष्ट कराना चाहता हूं । एक समय था, जब घने जंगल थे, लेकिन वनों की अंधाधुंध कटाई के चलते आज जंगल पेड़ विहीन हो चुके हैं । बड़ी मात्रा में सिर बोझा लकड़ी सूखी लकड़ी के नाम पर काटकर बाजारों में बेची जा रही है । वैसे तो प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने उज्ज्वला गैस योजना के तहत 7 करोड़ परिवारों को एलपीजी गैस का मुफ्त कनेक्शन दिया है । लेकिन इसके बावजूद भी सिर बोझा लकड़ी की कटाई नहीं रोकी जा रही है । मैं जिस क्षेत्र से आता हूं वह मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सीमा पर है । वहां पर कभी बहुत घने जंगल होते थे । उनमें से मझगवां, चितहरा, बांसा पहाड़, वारामाफी, मानिकपुर, मारकुण्डी, परसमनिया, नरोहिल में आज पूरी तरह से सिर्फ पलाश और गुलमेंहदी के पेड़ बचे हुए हैं ।

मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से निवेदन करूंगा कि जो सिर बोझा लकड़ी काटने वाले लोग हैं, उनको चिह्नित किया जाए और उनको मनरेगा के माध्यम से वहां पर नया रोजगार देकर जंगलों में पेड़ लगाने का काम शुरू किया जाए । उनको चिह्नित करके वनोपज का पूरा लाभ उठाया जाए । जब तक सिर बोझा लकड़ी काटने की अनुमति रहेगी, तो जंगल इसी तरह से कटते रहेंगे । वर्तमान समय में माननीय प्रधान मंत्री जी ने जो पेड़ लगाने का कार्यक्रम चलाया है, उसके चलते उनको मनरेगा के साथ हर एक जंगल में फिर से वृक्षारोपण का काम दिया । मैं यही निवेदन करना चाहता हूं ।

माननीय अध्यक्ष : कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और श्री आर. के. सिंह पटेल को श्री गणेश सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की

जाती है ।